रिअस्ट्रो सं० डी 221



असाधारण EXTRAORDINARY पाधिकार से प्रकाशिल PUBLISHED BY AUTHORITY

भाग ^I—सण्ड ¹ PART I—Section 1

संख्या 7] No. 7] नर्षे बिल्ला, मंगलवार, 26 जनवरी 1965/माघ 6, 1886 NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 26, 1965/MAGHA 6, 1886

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

यधिनद्रना

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th January 1965

No. 31/3/64-Ad.III-B.—The President is pleased, on the occasion of Republic Day 1965, to award an Appreciation Certificate for specially distinguished record of service to:—

Shri Morris Galestine, Additional Chief Inspector, Custom House, Calcutta.

2 This award is made under clause (a)(ii) of para 1 of the scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs, Central Excise and Land Customs Departments, published in Part I. Section 1 of the Gazette of India Extraordinary Notification No. 12/139/59-Ad. III-B dated the 5th November, 1962.

B. N. BANERJI, Addl. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

श्रधि प चना

नई दिल्ली, 26 जनवरी, 1965

सं० 31 / 3 / 64-एडी-III-बी.--राष्ट्रपति, गणतत्र दिवस, 1965 के श्रवसर पर, निम्नविणत व्यक्ति की विशेषतः विशिष्ट सेवा-त्रृत के लिए प्रशमा प्रमाणपत्र सहर्षे प्रदान करते हैं :--

श्री मारिस गैलेस्टाइन, ग्रतिरिक्त मुख्य निरोक्षक, कस्टम हाउस, कलकत्ता ।

 यह पुरस्कार सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा स्थल सीमा शुल्क विभागों के पदाधिकारियों श्रीर कर्मचारियों को दिये जाने वाले पुरस्कारों से सम्बन्धित योजना की किंडिका 1 के खंड (क) (ii) के ब्रन्तर्गत दिया जाता है। यह योजना भारत के गजट ब्रसाधारण के भाग I खंड 1 में श्रिधसूचना सं० 12/139/59-एडी-III-बी दिनांक 5 नयम्बर, 1962 के रूप में प्रकाशित हुई थी।

बी० एन० बनर्जी

ग्रतिरिक्त सचिव, भारत सरकार।

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th January 1965

No. 31/3/64-Ad.III-B.—The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1965, to award an Appreciation Certificate to the undermentioned officer of the Collectorate of Central Excise, Madras, for exceptionally meritorious service rendered when undertaking a task even at the risk of his life:—

Name of the officer and rank:

Shri K. Murugayyan, Deputy Superintendent of Central Excise.

Statement of service for which the certificate awarded.

On 7th July, 1964, a Customs Preventive party, headed by Shri Murugayyan, was patrolling the coastal areas of Vizhunthamavadi and Kollpathu in a departmental catamaran. At about 1·00 a.m., they noticed two high-powered mechanised launches, which, on being directed to stop, started speeding away. The party thereupon gave hot chase. When attempts to stop the launches by signals etc. failed, Shri Murugayyan ordered opening of fire on them. The first launch stopped after 9 rounds were fired, and the second after 5 rounds. The party took possession of the launches valued at about Rs. 42,730/- (the crew were seen throwing the contraband into the sea before the party could board the vessels). In pursuing the high powered machanised launches in a catamaran, Shri Murugayyan displayed a high degree of courage, resourcefulness and grit and accomplished his task without any consideration for his personal safety.

2. The award is made under clause (a)(i) of para 1 of the scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs, Central Excise and Land Customs Departments published in Part I. Section 1 of the Gazette of India Extraordinary Notification No. 12/139/59-Ad.III-B dated the 5th November, 1962.

Shri Murugayyan is not eligible for any monetary allowance under clause (b) of the scheme, on account of his rank.

B. N. BANERJI, Addl. Secy.

(राजस्व विभाग)

श्रिधिम् चना

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी, 1965

सं० 31/3/64-एडो-III-ची.--राष्ट्रपति, गणतत्र दिवस, 1965 के प्रवसर ्पर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय मद्राम के निम्नवर्णित पदाधिकारी को प्रपने जीवन को भी

संकट में डालकर कार्य करने समय की गई श्रसाधारण प्रशस्त सेवा के लिये प्रशंसा प्रमाणपत्र सहर्ष प्रदान करते हैं:—

पदाधिकारी का नाम तथा पदः

श्री के॰ मुरुगय्यन, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क के उप श्रधीक्षक । जिन सेवाग्रों के लिए प्रमाणयत्र विया गया है उनका विवरण :---

7-7-1964 को श्री मुख्यय्यन के नेतृत्व में एक सीमा शुल्क निरोधक वल (कस्टम्स् प्रिवेन्टिव पार्टी) विभागीय लकड़ नाव में विश्वन्यामवादी तथा कोयलपाथु के तटवर्ती क्षेत्रों की गस्त लगा रहा था। रात्रि के लगभग । वज उन्होंने दो बड़ी शक्ति वाली मशीनी नौकाशों को देखा जो ककने का निर्देश देने पर तेज रफ्तार से दूर भागने लगी। इन पर दल ने उनका तेजी से पीछा किया। संकेतों इत्यादि से नौकाशा को रोकने के प्रयत्न जब ग्रसफल हो गये तो श्री मुख्यय्यन ने उनपर गोली चलाने का श्रोदेश दिया। पहली नौका 9 बार फायर करने के पश्चात् ककी ग्रीर दूसरी 5 बार फायर करने पर। दल ने लगभग 42,730 रू० की कीमत की नौकाशों (लॉनच्यज) को ग्रपने कब्जे में कर लिया (दल के नौकाशों पर चढ़ने से पूर्व चालक श्रवेश वस्तुश्रों को समुद्र में फेंकतें हुए देखे गये थे)। बड़ी शक्ति वाली मशीनी नौकाशों का एक लकड़ नाव में पीछा करने में श्री मुख्यय्यन ने उच्चकोटि का साहस, सुझबूझ तथा सेहिष्णुता का परिचय दिया ग्रीर ग्रपनी सुरक्षा का कोई ध्यान न रखते हुए ग्रपने कार्य को सम्पन्न किया।

2. यह पुरस्कार सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा स्थल सीमा शुल्क विभागों के पदाधिकारियों तथा कर्मचारियों को पुरस्कार दिये जाने वाली योजना की कण्डिका 1 के खण्ड (क) (i) के अन्तर्गत दिया जाता हैं। यह योजना भारत के गजट ध्रसाधारण के भाग I खण्ड 1 मे अधिसूचना सख्या 12/139/59 एडी-III बी, दिनांक 5 नवम्बर, 1962 के रूप में प्रकाशित दुई थी।

भ्रपने पद के कारण श्री मुरुगय्यन योजना के खण्ड (ख) के श्रन्तर्गत किसी भी वित्तीय भत्ते के लिये ग्राह्म नहीं हैं।

> बी० एन० बनर्जी, श्रतिरिक्त सचिव, भारत सरकार ।

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th January 1965

No. 31/3/64-Ad.III-B.—The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1965, to award an Appreciation Certificate to the undermentioned officer of the Collectorate of Central Excise, Hyderabad, for exceptionally meritorious service rendered when undertaking a task even at the risk of his life;—

Name of the officer and rank:

Shaik Abdul Lateef, Inspector of Central Excise.

Statement of services for which the certificate has been awarded.

On 29th April, 1963, after a great deal of preliminary work and planning, a patrol party waited on the sea shore of Etamukkala near Ongole in Guntur District to seize certain goods which were being smuggled from Ceylon. At about 6.00 A.M., the party noticed a launch on the high seas and enticed it to approach the shore. As the launch neared the shore, Shaik Lateef proceeded in a catamaran to meet it,

in the guise of a fisherman. He led the crew of the launch to believe that he was himself an agent of the smuggler and succeeded in getting goods valued at Rs. 2,73,000/- unloaded on the shore. The slightest suspicion on the part of the smuggler would have cost him his life. During the risky manoeuvres on the open sea, Shaik Lateef actually slipped accidentally into the sea but was fortunately rescued. The seizure was thus affected with great daring, initiative and even at the risk of life.

2. The award is made under clause (a)(i) of para 1 of the scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs, Central Excise and Land Customs Departments published in Part I, Section 1 of the Gazette of India Extraordinary Notification No. 12/139/59-Ad III-B dated the 5th November, 1962, and consequently carries with it the monetary allowance admissible under clause (b) tbid at Rs. 25/- p.m. for a period of five years from 29th April, 1963 to 28th April 1968.

B N BANERJI, Addl. Secv.

(राजस्व धिभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जनवरी, 1965

सं० 31/3/64 एडी--III--बी०---राष्ट्रपति, गणतत्र दिवस, 1965 के अवसर पर फेन्द्रीय उत्पादन मुक्क समाहतिलय, हॅदराबाद के निम्नवर्णित पदाधिकारी को अपने जीवन को भी संकट में डालकर कार्य करते समय की गई श्रमाधारण प्रशस्त सेवा के लिये प्रशंसा प्रमाणपत्र सहर्ष प्रवान करते हैं:--

पदाधिकारी का नाम तथा पद .

शोक अब्दुल लतीफ, केन्द्रीय उत्पादन श्लक के निरीक्षक ।

जिम सेवाओं के लिए प्रयाग-पत्र दिया गया है उनका विवरण

29-4-1963 को, ग्रत्यधिक प्रारम्भिक कार्य तथा श्राशोजना के प्रश्वात गृतुर जिले में ग्रोंगोल के समीप इटामुक्काला के समुद्र तट पर एक गस्ती दल श्री लंका से चोरी छिपे रूप में लाई जाने वाली कुछ वस्तुग्रों को पकड़ने की प्रतीक्षा में था। प्रातःकाल 6 बजे के लगभग दल ने गहरे समृद्र में एक नौका को देखा और उसे समृद्र तट पर शाने का प्रलोभन दिया। जैसे ही नौका तट के निकट पहुंची, शेक लतीफ एक मछुबे के भेष में एक लकड़ नाव पर उससे मिलने के लिये ग्रागे बड़े। उन्होंने नौका चालकों को यह विश्वास दिलाया कि वे स्वयं तस्कर के एजेंट हैं ग्रौर 2,73,000/- रु के मूल्य की वस्तुग्रों को तट पर उतारने में सफल हुये। तस्कर को किंचित मात्र सन्देह होने पर भी उन्हों ग्रपने जीवन से हाथ धोना पड़ता। खुले समुद्र में खतरनाक पैतरे ाजी के दौरान, शेक लतीफ वास्तव में समुद्र में ग्रकस्मात फिसल गये परन्तु सौभाग्य से बचा लिय गये। इस प्रकार महान साहस, स्वतःपेरण तथा जीवन को भी संकट में डाल कर श्रभिग्रहण पूर्ण किया गया।

2. यह पुरस्कार सीमा मुल्क, केन्द्रीय इत्पादन मुल्क तथा स्थल सीमा मुल्क विभागों के पदाधिकारियों तथा कर्मचारियों को पुरस्कार दिये जाने वाली योजना की कंडिका 1 के खण्ड (क) (i) के अन्तर्गत दिया जाता है । यह योजना भारत के गजट श्रसाधारण के भाग I खण्ड 1 में श्रधिसूचना संख्या 12/139/59एडी-III=बी० दिनांक 5 नवम्बर, 1962 के रूप में प्रकाशित हुई थी तथा फलतः इसी के खण्ड (ख) के श्रन्तर्गत 29-4-1963 से 28-4-68 तक की पांच वर्ष की अवधि के लिये 25/ रु० प्रति माह की दर से देय वित्तीय भत्ता इसमें शामिल है ।

बी० एन० बनर्जी, ग्रतिरिक्त सूचिव, भारत सरकार, ।

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th January 1965

No. 31/3/64-Ad.III-B —The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1965, to award an Appreciation Certificate to the undermentioned officer of the Collectorate of Central Excise Bombay, for exceptionally meritorious service rendered when undertaking a task even at the risk of his life:—

Name of the officer and rank:

Shri Tulajansa Krishnasa Kalpavriksha, Inspector of Central Excise

Statement of services for which the certificate has been awarded

In September, 1964, Shri Kalpavriksha maintained surveillance over certain suspects in a notoriously dangerous area in Bombay City. The task he set for himself called for great daring, presence of mind and tact. The work he put in on this occasion resulted in the seizure on 14th, 15th September, 1964, of smuggled goods, watches, foreign exchange, etc., valued at about Rs. 50 lakhs. Of the three brothers involved in this case, two were arrested. Shri Kalpavriksha was then asked to trace the third brother and arrest him also. He traced the culprit and while effecting threat was reducibly assembled, by the offender and his accompliant. Shri Kalpavriksha arrest, was actually assaulted by the offender and his accomplice Shri Kalpavriksha thus accomplished his task even at the lisk of his life

2 The award is made under clause (a)(i) of para 1 of the scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs, Central Excise and Land Customs Departments published in Part I, Section, 1 of the Gazette of India Extraordinary Notification No 12/139/59-Ad III-B dated the 5th November, 1962, and consequently carries with it the monetary allowance admissible under clause (b) ibid at Rs 25/- pm for a period of five years from 15th September, 1964 to 14th September 1969

B N BANERJI, Addl Secy

(राजव विभाग)

*⊏*धिसुचना

नई दिल्ली, दिनाक 26 जनवरी, 1965

स० 31/3/64-एडी-Ш-बी.-राष्ट्रपति, गणतत्र दिवस के ग्रवसर पर, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क समाहर्त्तालय, बम्बई, के निम्नवर्णित पदाधिकारी को श्रपने जीवन को भी सकट मे डालकर कार्य करते समय की गई ग्रसाधारण प्रशस्त सेवा के लिए प्रशसा प्रमाणपत्र सहुर्ष प्रदान करते है ---

पदाधिकारी का नाम तथा पद.

श्री तूलाजस कृष्णसा कल्पवृक्ष,

केन्द्रीय उत्पादन शल्क निरीक्षक ।

जित सेवाओं क लिए प्रमाण-पत्र दिया गया है उनका धिवरण

सितम्बर, 1964 मे श्री कल्पवृक्ष ने बमाई शहर के एक ऐसे क्षेत्र मे कुछ सन्देह्णनक व्यक्तियो पर चौकसी की थी जो खतरनाक क्षेत्र के रूप में बदनाम है। जिस कार्य को उन्होने ग्रपने लिए ग्रपनाया उसको पूरा करने के लिए, महान साहस, प्रत्युत्पन्नमित एव कीशल की श्रावश्यकता थी। इस श्रवसर पर जो उन्होने कार्य किया उसके फलस्वरूप 14 श्रीर 15 सितम्बर, 1964 को लगभग 50 लाख रुपये के मृत्य का चोरी छिपे लाया गया सामान, घडियां, विदेशी विनिमय, ग्रादि पकडे गये। इस मामले मे श्रन्तर्ग्रस्त 3 भाइयो में से दो गिरफ्तार किये गये। श्री कल्पवृक्ष से तब तीसरे भाई को खोजने श्रीर उसको भी गिरफ्तार करने के लिए कहा गया। उन्होंने ग्रपराधी को खोज लिया ग्रीर जिस समय गिरफ्तारी की जा रही थी तो ग्रपराधी तथा उसके साथी ने उन पर वस्सूत ग्राक्रमण किया। इस प्रकार श्री करूपवृक्ष ने भ्रापने जीवन को सकटमें डाल कर भी भ्रापने कार्यं को सम्पन्न किया।

2. यह पुरस्कार सीमा गुल्क, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क तथा स्थल सीमा गुल्क विभागों के पदाधिकारियों और कमचारियों को पुरस्कार दिये जाने वाली योजना को किन्ना 1 के खण्ड (a) (i) के धन्तर्गत दिया जाता है । यह योजना भारत के गजट ध्रसाधारण के भाग I खण्ड 1 में ध्रिधसूचना $1 \times 12 \times 139 \times 14$ प्रकाशित हुई थी तथा फलस्वरूप इसी के खण्ड (a) के धन्तर्गत 15 सितम्बर, 1964 से 14 सितम्बर 1969 तक पांच वर्ष की अविध के लिए 25 रुपये प्रति माह की दर से देय वित्तीय भक्ता इसमें गामिल है 1

बी० एन० बनर्जी,

ग्रतिरिक्त सचिव, भारत सरकार ।

(Department of Revenue) NOTIFICATION

New Delhi, the 26th January 1965

No. 31/3/64-Ad.III-B.—The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1965, to award an Appreciation Certificate to the undermentioned officer of the Collectorate of Central Excise, Madras, for exceptionally meritorious service rendered when undertaking a task even at the risk of his life:—

Name of the officer and rank;

Shri Trevor Ronaid Barnes, Inspector of Central Excise,

Statement of service for which the certificate awarded.

On 25th December, 1964, a departmental launch was engaged in rescuing the marooned people at Dhanushkodi hit by the recent cyclone. The launch could not cross the breakers and was, therefore, lying 400 yards away from the shore at Dhanushkodi. Shri Barnes, one among those aboard the launch, although not very proficient in swimming, jumped into the sea with the aid of a life jacket and along with a few members of the crew, reached the shore with food packets and medicine, and later very actively helped in the rescue of 116 people, consisting mostly of women and children, at a moment when they had no hope of any succour. On this occasion, he acted with exemplary courage and devotion to duty without any consideration for his personal safety.

2. The award is made under clause (a)(i) of para 1 of the scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs, Central Excise and Land Customs Departments published in Part I, Section 1 of the Gazette of India Extraordinary Notification No. 12/139/59-Ad. III-B dated the 5th November, 1962, and consequently carries with it the monetary allowance admissible under clause (b) ibid @ Rs. 25/- p.m. for a period of five years from 25th December, 1964 to 24th December, 1969.

B. N. BANERJI, Addl. Secy.

(राजःय जिमान)

श्रधिसूचना

नई दिल्ली 26 जनवरी, 1965

सं० 31/3/64-एडी-III-बी-राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस के श्रवसर पर, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्त्तालय, मद्रास के निम्नवर्णित पदाधिकारी को श्रपने जीवन को भी संकट

में <mark>डाल कर कार्य करते समय की गयी श्रसाधारण प्रशस्त सेवा के लिए प्रशंसा प्रमाण-पत्र</mark> सहर्ष प्रदान करते हैं:---

पदाधिकारी का नाम तथा पव:

श्री ट्रेवर रोनेड बार्नेस, केन्द्रीय उत्पादन मुल्क के निरीक्षक ।

जिन सेवान्नों के लिए प्रमाण-पत्र विया गया है उनका विवरण

- 25 दिसम्बर, 1965 को एक विभागीय नौका हाल ही के एक बवंडर द्वारा प्रभावित धनुषकोड़ी के ग्रसहाय लोगों को बचाने में लगी हुई थी। नौका समुद्र की भीषण तरंगों को पार न कर सकी ग्रौर इसलिए वह धनुषकोड़ी के तट से 400 गज दूर पड़ी थी। नौका में सवार व्यक्तियों में से एक व्यक्ति श्री बार्नेस, यद्धिष वे तैरने में बहुत कुशल न थे, चालक-दल के कुछ सदस्यों सिह्त एक रक्षाजाकट की सहायता से समुद्र में कूद पड़े ग्रौर खाद्य पैकिटों व ग्रौषधि लेकर किनारे पर पहुंच गये। ग्रौर बाद मे 116 व्यक्तियों को ऐसे समय बचाने में बड़ी कर्मठता के साथ सहायता की जबकि उन व्यक्तियों को किसी सहायता की ग्राशा न थी। इन बचाये गये व्यक्तियों में ग्रिधिकतर श्रौरतें श्रौर बच्चे थे। इस ग्रवसर पर उन्होंने ग्रपनी निजी स्रक्षा का कोई ध्यान न करते हुए उदाहरणीय साहस ग्रौर कर्तंव्य परायणता के साथ कार्य किया।
- 2. यह पुरस्कार सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा स्थल सीमा शुल्क विभागों के पदाधिकारियों ग्रीर कर्मंचारियों को पुरस्कार दिये जाने वाली योजना की कंडिका 1 के खण्ड (क) (i) के ग्रन्तर्गत दिया जाता है। यह योजना भारत के गजट ग्रसाधारण के भाग I खण्ड 1 में ग्रिधमूचना सं० 12 / 139 / 59—एड़ी— III-बी, दिनांक 5 नवम्बर, 1962 के रूप में प्रकाशित हुई थी तथा इसी के खण्ड (ख) के श्रन्तर्गत 25 दिसम्बर, 1964 से 24 दिसम्बर, 1969 तक पांच वर्ष की श्रविध के लिए 25 रुपये प्रति मास की दर से देय वित्तीय भक्ता भी इसमें शामिल है।

बी० एन० बनर्जी, ग्रतिरिक्त सचिव, भारत सरकार ।

